प्रपत्र–26

परियोजना का नामः– आरक्षित वन क्षेत्र के नदी तल कोसी–दाबका भाग–2 से उप खनिज चुगान निकासी के संबंध में।

भू–वैज्ञानिक की आख्या

भू–वैज्ञानिक की आख्या प्रस्ताव में संलग्न की जा रही है।

ह0/

प्रयोक्ता एजेन्सी
प्रभागीय प्रबन्धक (खनन)
उ० व० वि० निगम
रामनगर (नैनीताल)

Scanned with CamScanner

भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड,
ऊधम सिंह नगर।

सेवा में,

प्रभागीय प्रबन्धक, खनन,
उत्तराखण्ड वन विकांस निगम,
खनन प्रभाग–रामनगर (नैनीताल)।

पत्रांकः153 /ऊ.सिं.न.–भूग0आं0/2020–21 दिनांक 05- जून, 2020.

विषयः– आरक्षित वन क्षेत्र के नदी तल कोसी–दाबका भाग–2 से उपखनिज चुगान–निकासी के नये प्रस्तावों पर अग्रेत्तर कार्यवाही के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कृपया अपने पत्रांक 183/कोसी–दाबका–भाग –2 / दिनांक 13.05.2020 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके द्वारा जनपद ऊधमसिंहनगर के अन्तर्गत आरक्षित वन क्षेत्र के नदी तल कोसी–दाबका भाग–2 से उपखनिज चुगान–निकासी के नये प्रस्तावों पर अग्रेत्तर कार्यवाही किये जाने हेतु प्रस्ताव के प्रपत्र संख्या–26 पर आख्या उपलब्ध कराने हेतु अपेक्षा की गयी है। उक्त प्रस्तावित स्थल बाजपुर–रामनगर मोटरमार्ग पर बाजपुर के उत्तर–पश्चिम में कोसी नदी तल क्षेत्र अवस्थित है, जो वन विकास निगम द्वारा खनन क्षेत्र हेतु चिन्हित किया गया है। उक्त स्थल हेतु वांछित भू–गर्भीय आख्या निम्नवत् प्रस्तुत हैः–

टोपोग्राफिक स्थितिः

प्रस्तावित स्थल बाजपुर के तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर के अन्तर्गत अवस्थित क्षेत्र है, जो कि पूर्णतया आरक्षित वन क्षेत्र में प्रवाहित कोसी नदी का भू–भाग है।

प्रश्नगत क्षेत्र का भूगर्भीय निरीक्षणः

भूगर्भीय दृष्टिकोण से प्रस्तावित स्थल फुट हिल हिमालय पर्वत श्रृंखला से प्रवाहित होने वाली कोसी–दाबका एवं उसकी सहायक नदियो द्वारा जमा किये गये अवसादो से निर्मित समतल ढलानों में स्थित है। प्रस्तावित स्थल के भू–भाग पर स्वस्थाने चट्टाने दृष्टिगत नहीं हो रही है यथावत् चट्टानों के एक्सपोजर केवल फुट हिल हिमालय से हल्द्वानी–नैनीताल मोटर मार्ग पर ही दृष्टिगोचर होते है। स्थानीय निरीक्षण के दौरान कोसी नदी क्षेत्रान्तर्गत स्वस्थाने चट्टानो का अभाव पाया गया। उक्त क्षेत्र में मुख्यतः नदी द्वारा निक्षेपित मलवे/आर0बी0एम0 का जमाव क्षेत्र विद्यमान है।

प्रस्तावित स्थल पर नदीय अवसादो द्वारा जमा किये गये मलबे की परत विद्यमान है जहां मलबे में बालु पत्थर व चूना पत्थर प्रकृति की चट्टनों के समकोणीय व गोलाकार पेबल्स व कॉबल्स मृदा में संगठित अवस्था में दृष्टिगत होते है जो कालान्तर मे फुट हिल हिमालय पर्वत श्रृंखला से प्रवाहित होने वाली दाबका–कोसी नदी तथा इनकी सहायक नदियों द्वारा अपने बहाब के साथ लाये गये अवसादों के निरन्तर निक्षेपण व जमाव हुआ है। स्थल में अवस्थित मृदा पारगम्य व सरन्ध्र प्रकृति की अवलोकित की गई है। उक्त क्षेत्र में नदी तटों पर खनन हेतु निर्धारित मानकों के अनुरूप उपखनिज का चुगान किया जाना उचित होगा, जिससे नदी की धारा परिवर्तित न हो सकें एवं तटों पर भूकटाव को भी न्यून किया जा सकें।

Scanned with CamScanner

निष्कर्षः—

प्रस्तावित स्थल आरक्षित वन क्षेत्र के नदी तल कोसी–दाबका भाग–2 से उपखनिज चुगान/निकासी हेतु वर्तमान समय में उपयुक्त है।

भवदीय,

(डॉ0 अमित गौरव)
उप निदेशक/भूवैज्ञानिक।

पृ0सं0 1530(1)/तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषितः—

1— संयुक्त निदेशक–भूविज्ञान, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी, देहरादून।

(डॉ0 अमित गौरव)
उप निदेशक/भूवैज्ञानिक।

Scanned with CamScanner